

- (ख) मुद्रा आपूर्ति पर तीसरे कार्य समूह (1998) ने भारत में मौद्रिक समुच्चय (monetary aggregates) के संशोधन का प्रस्ताव क्यों दिया? इसकी प्रमुख सिफारिशें क्या थीं, और संशोधित समुच्चयों की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? (9)

[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7554 L

Unique Paper Code : 2273102006

Name of the Paper : Money and Financial Markets

Name of the Course : Common Pool of Discipline Specific Elective

Semester : IV/VI/VIII

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions carry equal marks.
3. Attempt any five out of six.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. कुल छह में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. The Federal Reserve seeks to simultaneously achieve a target unemployment rate of 4% and an inflation rate of 2%. However, the economy is currently experiencing both higher inflation and higher unemployment than desired within the short-run AD-AS framework. In response, the central bank implements an expansionary monetary policy by increasing the money supply, shifting aggregate demand rightward. Despite this intervention, only one of the two objectives is attained.

- (a) Using the Tinbergen Rule, explain why the central bank cannot achieve both targets simultaneously. (5)

- (b) Analyse the limitation of monetary policy within the short-run AD-AS framework, particularly when policy instruments primarily affect aggregate demand. (8)

परिदृश्यों के तहत प्रत्येक पक्ष के लिए निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए, और संबंधित जोखिम-प्रतिफल व्यापार-संतुलन (trade-offs) की तुलना फॉरवर्ड रेट एग्रीमेंट (FRAs) और ब्याज दर वायदा (interest rate futures) से कीजिए। (9)

- (ख) चर्चा कीजिए कि जोखिम-इनाम प्रोफाइल, मार्जिन आवश्यकताओं और निवेशकों द्वारा उनके उपयोग के संदर्भ में ऑप्शन (options) वायदा (futures) से कैसे भिन्न हैं। ऑप्शन में विषम भुगतान (asymmetric payoffs) की भूमिका की व्याख्या कीजिए और जांच कीजिए कि संस्थागत प्रतिभागी ओटीसी (OTC) ऑप्शन का पक्ष क्यों ले सकते हैं। (9)

6. (क) मुद्रा आपूर्ति के बहिर्जात (exogenous) और अंतर्जात (endogenous) दृष्टिकोणों की आलोचनात्मक तुलना कीजिए। प्रत्येक मामले में मुद्रा आपूर्ति वक्र में भिन्नता पैदा करने वाले निर्धारकों का विश्लेषण कीजिए। (9)

परिपक्वता एक वर्ष है, और इसकी कीमत ₹950 है। डिस्काउंट बॉन्ड ₹940 पर उपलब्ध है और 180 दिनों में ₹1,000 पर परिपक्व होता है।

(i) कूपन बॉन्ड के वार्षिक कूपन भुगतान और वर्तमान प्रतिफल (current yield) की गणना कीजिए।

(4)

(ii) डिस्काउंट बॉन्ड के डिस्काउंट यील्ड (discount yield) की गणना कीजिए।

(2)

(iii) प्रतिफल (yields) की तुलना कीजिए और मूल्यांकन कीजिए कि अल्पकालिक निवेश के लिए कौन सा उपकरण बेहतर है।

(3)

5. (क) फॉरवर्ड कॉन्ट्रैक्ट्स के पोर्टफोलियो और नकद बाजार उपकरणों के संयोजन के रूप में व्याख्या करके निश्चित-फ्लोटिंग ब्याज दर स्विप (fixed-for-floating interest rate swaps) का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। बढ़ती और घटती ब्याज दर

(c) Briefly explain the different lags associated with the implementation of monetary policy in India.

(5)

2. (a) The introduction of Central Bank Digital Currencies (CBDCs) represents a significant shift in monetary systems. Discuss its potential effects on the traditional banking system in India, highlighting both opportunities and risks, along with measures to manage them.

(8)

(b) The growth of payment systems reflects broader financial sector development. Discuss the evolution of payment systems in India and analyse the regulatory framework, highlighting the roles of the principal institutions involved.

(10)

3. (a) Discuss the distinguishing features of Commercial Paper (CP) and Certificate of Deposit (CD) with respect to structure, regulation, participants, and risk. Applying your understanding to the Indian context, determine which instrument more effectively serves short-term corporate financing needs and explain why.

(9)

(b) Provide a brief account of the effectiveness of the monetary policy transmission mechanism in India during the period February 2019 to January 2020. In your answer, evaluate both the “inner leg” and the “outer leg” of transmission, and discuss the role of institutional reforms such as the external benchmarking system. (9)

4. (a) Discuss the evolution of the lending rate frameworks of the Reserve Bank of India from the PLR regime to the MCLR system. In your answer, analyse their effectiveness in transmitting monetary policy signals, evaluate the limitations inherent in each framework, and explain how these limitations led to subsequent reforms in the interest rate setting mechanism. (9)

(b) Ravinder, a fixed-income investor, is comparing a coupon bond and a discount bond in the secondary market. The coupon bond has a face value of ₹1,000, an annual coupon rate of 8%, a maturity of one year, and is priced at ₹950. The discount

(ख) फरवरी 2019 से जनवरी 2020 की अवधि के दौरान भारत में मौद्रिक नीति संचरण तंत्र (transmission mechanism) की प्रभावशीलता का संक्षिप्त विवरण प्रदान कीजिए। संचरण के प्ङ्नर लेग और “आउटर लेग” दोनों का मूल्यांकन कीजिए, और बाहरी बेंचमार्किंग प्रणाली (external benchmarking system) जैसे संस्थागत सुधारों की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (9)

4. (क) भारतीय रिजर्व बैंक के ःण दर ढांचे (lending rate frameworks) के पीएलआर शासन से एमसीएलआर प्रणाली तक के विकास पर चर्चा कीजिए। मौद्रिक नीति संकेतों को प्रसारित करने में उनकी प्रभावशीलता का विश्लेषण कीजिए, प्रत्येक ढांचे में निहित सीमाओं का मूल्यांकन कीजिए, और बताएं कि इन सीमाओं ने ब्याज दर निर्धारण तंत्र में बाद के सुधारों को कैसे जन्म दिया। (9)

(ख) रविंदर, एक निश्चित आय निवेशक, द्वितीयक बाजार में कूपन बॉन्ड और डिस्काउंट बॉन्ड की तुलना कर रहा है। कूपन बॉन्ड का अंकित मूल्य ₹1,000 है, वार्षिक कूपन दर 8% है,

2. (क) सेंट्रल बैंक डिजिटल कीजिएसी (CBDCs) की शुरुआत मौद्रिक प्रणालियों में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। भारत में पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली पर इसके संभावित प्रभावों की चर्चा कीजिए, जिसमें अवसरों और जोखिमों के साथ-साथ उन्हें प्रबंधित करने के उपायों पर प्रकाश डाला गया हो। (8)
- (ख) भुगतान प्रणालियों का विकास व्यापक वित्तीय क्षेत्र के विकास को दर्शाता है। भारत में भुगतान प्रणालियों के विकास पर चर्चा कीजिए और इसमें शामिल प्रमुख संस्थानों की भूमिकाओं पर प्रकाश डालते हुए नियामक ढांचे का विश्लेषण कीजिए। (10)
3. (क) वाणिज्यिक पत्र (Commercial Paper – CP) और जमा प्रमाणपत्र (Certificate of Deposit – CD) की संरचना, विनियमन, प्रतिभागियों और जोखिम के संबंध में विशिष्ट विशेषताओं की चर्चा कीजिए। भारतीय संदर्भ में अपनी समझ को लागू करते हुए, यह निर्धारित कीजिए कि कौन सा उपकरण अल्पकालिक कॉर्पोरेट वित्तपोषण आवश्यकताओं को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करता है और क्यों। (9)

bond is available at ₹940 and matures at ₹1,000 in 180 days.

- (i) Calculate the annual coupon payment and current yield of the coupon bond. (4)
- (ii) Compute the discount yield of the discount bond. (2)
- (iii) Compare the yields and evaluate which instrument is preferable for short-term investment. (3)
5. (a) Critically evaluate fixed-for-floating interest rate swaps by interpreting them as portfolios of forward contracts and as combinations of cash market instruments. Analyse the implications for each party under rising and falling interest rate scenarios, and compare the associated risk-return trade-offs with those of forward rate agreements (FRAs) and interest rate futures. Use numerical or diagrammatic illustrations to substantiate your answer. (9)

(b) Discuss how options differ from futures in terms of risk-reward profiles, margin requirements, and their use by investors. Explain the role of asymmetric payoffs in options and examine why institutional participants may favour OTC options. Use diagrams to support your explanation. (9)

6. (a) Critically compare the exogenous and endogenous approaches to money supply. In your answer, analyse the determinants that cause variations in the money supply curve in each case. (9)

(b) Why did the Third Working Group on Money Supply (1998) propose a revision of monetary aggregates in India? What were its key recommendations, and what are the main features of the revised aggregates? (9)

1. (क) फेडरल रिजर्व एक साथ 4% की लक्षित बेरोजगारी दर और 2% की मुद्रास्फीति दर प्राप्त करना चाहता है। हालांकि, वर्तमान में अर्थव्यवस्था अल्पकालिक एडी-एस AD-AS ढांचे के भीतर वांछित से अधिक मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दोनों का अनुभव कर रही है। जवाब में, केंद्रीय बैंक मुद्रा आपूर्ति बढ़ाकर एक विस्तारवादी मौद्रिक नीति लागू करता है, जिससे कुल मांग (AD) दाईं ओर खिसक जाती है। इस हस्तक्षेप के बावजूद, दो उद्देश्यों में से केवल एक ही प्राप्त होता है। टिनबर्गेन नियम (Tinbergen Rule) का उपयोग करते हुए समझाएं कि केंद्रीय बैंक दोनों लक्ष्यों को एक साथ क्यों प्राप्त नहीं कर सकता। (5)

(ख) अल्पकालिक एडी-एस ढांचे के भीतर मौद्रिक नीति की सीमा का विश्लेषण कीजिए, विशेष रूप से तब जब नीतिगत उपकरण मुख्य रूप से कुल मांग (Aggregate Demand) को प्रभावित करते हैं। (8)

(ग) भारत में मौद्रिक नीति के कार्यान्वयन से जुड़े विभिन्न अंतराल (lags) की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। (5)